गठबंधन में ही हिस्सा लेगी । भारत सरकार की अब भी यह नीति है ।

Indo-Israeli Association

7311. Shri C. C. Desai:
Shri Piloo Mody:
Shri D. N. Patodia:
Shri M. Amersey:
Shri Durairasu:

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

(a) whether recently an Indo-Israeli Association has been formed in Bombay, the sponsor of which is a Member of Parliament;

(b) whether it is a fact that on this fact being known, somebody speaking on behalf of the Arab League in India went and saw him and threatened him with use of physical force, if he persisted in the idea; and

(c) if so, the action taken thereon?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): (a) According to press reports, Shri C. C. Desai, M.P., and others have announced the formation of an "Indo-Israeli Friendship League".

(b) There is no such complaint on the records of the police.

(c) Does not arise.

1947 में ब्रिटेन, पुर्तगाली और फ्रांसीसी सरकारों तथा भूतपूर्व रियासतों के शासकों के साथ किये गये करार

7312. श्री महाराज सिंह भारती : क्या वैदेशिक-कार्य मंत्री 6 जून, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 3649 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत ने 1947 में ब्रिटेन, पुर्तगाल और फ्रांस की सरकारों एवं भूतपूर्व रियासतों के भूतपूर्व शासकों के साथ पृथक पृथक करार किए थे;

(ख) शक्ति हस्तान्तरण के समय जितना क्षेत्रफल हमारे पास था उसमें से कितना क्षेत्रफल अब चीन के कब्जे में है; और

(ग) भूतपूर्व रियासतों का जितना क्षेत्रफल उन के भारत संघ में विलय के समय था उसम से कितना क्षेत्रफल अब पाकिस्तान में है ?

वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री मु० क० चागला): (क) सत्ता हस्तान्तरण और भारतीय स्वाधीनता अधिनियम, 1947 के अतिरिक्त ब्रिटिश के साथ कोई विशेष करार नहीं था, फ्रांस के साथ करार का संबंध पांडिचेरी, चन्द्रनगर, माही और कारीकल नामकपर्व फ्रांसीसी बस्तियों से था । भूतपूर्व भारतीय रियासतों के साथ जो करार थे, वे विलयन-पत्र (इन्स्ट्रूमेंट्स आफ एक्सेशन) की शक्ल में थे । पुर्तगाल के साथ कोई करार नही था ।

(ख) चीन ने लद्दाख में भारतीय प्रदेश की लगभग 14.500 वर्ग मील भूमि पर गैर-कानूनी कब्जा किया हुआ है। इसके अलावा, उन्होंने पाकिस्तान के साथ कथित सीमा करार के परिणामस्वरूप पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में भारतीय प्रदेश की 2000 वर्गमील से कुछ अधिक भूमि पर भी कब्जा कर रखा है ।

(ग) पूर्व भारतीय रियासतों के कुल क्षेत्रफल में से, उन के भारतीय संघ में मिलने के समय, अर्थात् 587, 949 वर्गमील में से, पाकिस्तान के गैर-कानूनी कब्जे में जो इलाका है, वह जम्मू तथ काश्मीर में लगभग 32,500 वर्गमील है । इस में से पाकिस्तान ने 2000 वर्गमील से कुछ अधिक का इलाका गैर-कानूनी तरीके से पाकिस्तान को दे दिया है ।

पाकिस्तान के गैर-कानूनी कब्जे में त्रिपुरा-पूर्व पाकिस्तान सीमा का इलाका (इच्छाचारी और पटीचरी मौजा) लगभग 5 वर्गमील है ।